# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
# जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
# डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
# पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

**बुलेटिन संख्या-६२**
**दिनांक- शुक्रवार, १८ अगस्त, २०२३**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.2 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.7 एवं दोपहर में 38.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 43.2 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (19–23 अगस्त, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19–23 अगस्त, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में कहीं–कहीं हल्की वर्षा होने का अनुमान है। अभी एक–दो दिनों तक वर्षा की संभावना कम है। 22 अगस्त के बाद वर्षा में वृद्धि होने का अनुमान है। जिसके कारण हल्की से थोड़ा ज्यादा वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- धान की फसल जो 20–25 दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। यह कीट फसल को काफी नुकसान करता है। इस कीट की सूंडियाँ पहले कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर उन्ही से होते हुए तने में पहुच जाती है एवं तने के गूद्दे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। फलतः मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है एवं इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर कार्बोफ्यूरान (3 जी) का 7 किलोग्राम/हे0 की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0– 07, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॅरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च की रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवश्य करें। चारा की फसलों में नेत्रजन का उपरिवेशन करें।
- फलदार पौधें का बगाान लगाने का यह समय उत्तम है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के श्वस्थ पौधों की रोपनी करे। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा 40 से 50 किलोग्राम गोबर का प्रयोग अवश्य करें।
- आम की अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों की रोपाई करें। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिष्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाषंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगडा राजेंद्र आम–1, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी 10 मीटर, बीजु के लिए 12 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5X2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे– कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे– कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में 10X10 मीटर की दूरी पर पौधों की रोपाई करें।
- गायों को लंपी स्किन रोग से बचाव के लिए गोट पॉक्स वैक्सीन से टीकाकरण करावे। रोग से प्रभावित पशुओं को आइवरमेक्टिन (3.15%) सुई चमड़े में एक बार, स्ट्रेप्टो–पेनिसिलिन 2.5 ग्राम/5.0 ग्राम दवा 3 दिन, लिवोटास/मेवोलिव/बुटोन दवा 50 मि०ली० प्रतिदिन, विटामिन ADE का सिरप 20 मि०ली० प्रतिदिन एवं मिनरल मिश्रण 50 ग्राम प्रतिदिन दें। रोग प्रभावित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से बिल्कुल अलग रखें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः 33.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम |

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)